ऑर्गेनिक एग्रीकल्चर
माइक्रो प्लानिंग एण्ड डिसिजन मेकिंग

''ऑर्गेनिक एग्रीकल्चर – माइक्रो प्लानिंग एण्ड डिसीजन मेकिंग'' वोल्यूम–प्रथम हिन्दी एवं अंग्रेजी की सम्मिलित भाषा में दी गई है। ऑर्गेनिक फार्मिंग की क्रांति का सूत्रपात उपभोक्ता की बदलती जरूरतों को पूरा करने के प्रयासों का फल है। इनपुट आधारित खेती के विकास के लम्बे दौर के बाद खेती की लागत में लगातार वृद्धि, उत्पादन में कमी, पौष्टिकता एवं गुणवत्ता में ह्रास, भूमि की उर्वराशक्ति में कमी आदि कई समस्याएं सामने आने लगी। इन समस्याओं के समाधान के लिये कई नई खोज प्रारम्भ की गई। इनमें से एक विचार ऑर्गेनिक फार्मिंग के रूप में हमारे सामने आया है। शायद खेती में ऐसा पहली बार हुआ है कि जिसमें उपभोक्ता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उत्पादन किया जाता है। अतः इस पद्धति में सबसे प्रमुख उपभोक्ताओं को संतुष्ट करने के लिए कम्पलीट रिकॉर्ड आधारित खेती के तरीकों को अपनाने पर जोर दिया जा रहा है।

असली ऑर्गेनिक पदार्थों तथा रसायनों से उपजे पदार्थों में अन्तर करने के लिए ऑर्गेनिक उत्पादों का सर्टिफिकेशन किया जाता है। यह सर्टिफिकेशन एक सर्टिफाइंग एजेन्सी करती है। ऑर्गेनिक उत्पादों का सर्टिफिकेशन दो प्रकार से किया जाता है। पहले प्रकार जिसको कि प्रोडक्ट सर्टिफिकेशन कहते हैं, में उत्पादों की प्रयोगशालाओं में जांच के बाद उनको प्रमाणित किया जाता है, किन्तु यह तरीका बेहद जटिल, अधिक समय लगने वाला तथा काफी खर्चिला है। दूसरे प्रकार, जिसको कि प्रोसेस सर्टिफिकेशन कहते हैं, में खेत पर ही खेती की हर चरण की जांच तथा उसका पूरा रिकॉर्ड रखा जाता है। दूसरा तरीका अत्यन्त आसान तथा विश्वसनीय है। विश्व में अधिकांशतः इसी तरीके से ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन दिया जाता है।

प्रस्तुत पुस्तक में हम उक्त रिकार्डस को रखने के लिए फॉरमेट दे रहे हैं। जिनमें खेत तथा उसके मालिक की बुनियादी जानकारियों से लेकर खेती के हर चरण का रिकॉर्ड आसानी से रखा जा सकता है। इसके साथ ही यहां वर्तमान खेती तथा ऑर्गेनिक फार्मिंग के बारे में किसान की राय एवं फैसला करने के लिए फॉरमेट दिये गये हैं। यह फॉरमेट्स एक सामान्य किसान भी असानी से साथ भर कर स्वयं अपनी ऑर्गेनिक खेती प्रारम्भ कर सकता है।

एम.आर. मोरारका–जीडीसी रूरल रिसर्च फाउण्डेशन द्वारा इस पद्वति को अब तक करीब दस हजार किसानों द्वारा अपनाया जा चुका है। इस वोल्यूम–प्रथम के बाद दूसरे वोल्यूम तैयार करने का भी कार्य चल रहा है। हमारी पाठकों से प्रार्थना है कि वह हमारे लगातार सम्पर्क में रहें और इसके बाद बनने वाले वोल्यूमस् भी प्राप्त कर लें।